

4. अभिनव मनुष्य

<https://www.youtube.com/watch?v=H3NmOfVImak>

[DD Chandana Samveda Class]

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. आज की दुनिया कैसी है?

उत्तर : आज की दुनिया विचित्र और नवीन है।

२. मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है?

उत्तर : मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता और उतरता है।

३. परमाणु किसे देखकर काँपते हैं?

उत्तर : परमाणु मानव के करों को देखकर काँपते हैं।

४. “अभिनव मनुष्य” कविता के कवि का नाम लिखिए।

उत्तर : “अभिनव मनुष्य” कविता के कवि का नाम श्री रामधारी सिंह “दिनकर”जी है।

५. आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है?

उत्तर : आधुनिक पुरुष ने प्रकृति पर विजय पायी है।

६. नर किन-किनको एक समान लाँघ सकता है?

उत्तर : नर नदी, सरिता, और सागर को एक समान लाँघ सकता है।

७. आज मनुष्य का यान कहाँ जा रहा है?

उत्तर : आज मनुष्य का यान गगन में जा रहा है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. “प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन”- इस पंक्ति का आशय समझाइए।

उत्तर : कवि दिनकर जी कहते हैं कि-आज मनुष्य प्रकृति के हर तत्वों पर अपना विजय पा लिया। जैसे पानी, विद्युत, भाप को अपने पैसे में दबा रखा है। पवन तथा ताप पर भी अपना हुक्म चला रहा है।

२. दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

उत्तर :दिनकरजी के अनुसार मानव का सही परिचय यह है कि दिनकरजी इस कविता व्दारा यह संदेश देना चाहते हैं कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है । किन्तु विडंबना यह है कि,उसने स्वयं को नहीं पहचाना,अपने भाईचारे को नहीं समझा । प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है,मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध-बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाए,वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

३. इस कविता का दूसरा कौन सा शीर्षक हो सकता है ? क्यों ?

उत्तर :इस कविता का शीर्षक जो दिनकर जी दिए हैं-‘अभिनव मनुष्य’ सार्थक-शीर्षक है। अगर दूसरा शीर्षक ‘प्रकृति और मानव; दे सकते हैं । क्योंकि प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है,मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है।

III. भावार्थ लिखिए :

यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय,
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।

उत्तर :प्रस्तुत इस पद्यभाग को श्री.रामधारीसिंह दिनकर जी से रचित ‘अभिनव मनुष्य ‘ नामक कविता से लिया गया है। इन्हें ‘कुरुक्षेत्र ‘ के षष्ठ सर्ग से लिया गया है। कवि मानव आज किस प्रकार प्रकृति पर अपना अधिकार जमा लिया है,इसके बारे में वर्णन करते हुए इस प्रकार कह रहे हैं कि यह मनुष्य जिसने प्रकृति का श्रृंगार किया है, ज्ञान, विज्ञान का प्रकाश सारे जगह फैलाया। आकाश से पाताल तक विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है। पर उसने मानव को न पहचाना। अपने भाईचारे को नहीं समझा।

IV. उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए :

उदा : नवीन – आसीन

१.भाप - ताप २.व्यवधान –समान ३.श्रृंगार –आगार ४.श्रेय –ज्ञेय ५ जीत - प्रीत

V. पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :

आज की दुनिया विचित्र, नवीन ;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन ।
है बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।

VI. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

१. दुनिया-जगत-संसार २. विचित्र-अजीब-आश्चर्य ३. नवीन-नया-अभिनव
४. नर-मानव-आदमी ५. वारि-जल-पानी ६. कर-हाथ-हस्त ७. आगार-घर-मकान

VI. विलोम शब्द लिखिए :

१. आजxकल २. नवीनxप्राचीन ३. पुरुषxस्त्री ४. नरxnारी ५. चढ़ताxउतरता
६. समानxअसमान ७. ज्ञानxअज्ञान ८. जीतxहार ९. असीमितxसीमित १०. तोड़xमोड़

VIII. एक शब्द लिखिए :

जैसे : सभी जगहों में – सर्वत्र १. आसन पर बैठा हुआ - आसीन
२. बचा हुआ – बचत ३. मनु की संतान - मनुष्य
४. विशेष ज्ञान – विज्ञान ५. अधिक विद्या प्राप्त - विद्यावान

IX. अनुरूप शब्द लिखिए :

१. गिरि : पहाड़ :: वारि : जल २. पवन : वायु :: सिंधु : समुद्र
३. ज़मीन : आसमान :: आकाश : भूमि ४. नर : आदमी :: उर : हृदय